प्रीतमसिंह प्रगतिशील किसान

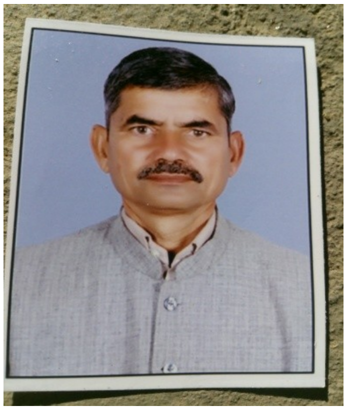

नाम -प्रीतमसिंह (pritamsingh) गांव -नेकपुर (Nekpur) पोस्ट -जवा (jawa) तहसील खुरजा (khurja)

जिला -बुलन्दशहर (Bulndshahar) उत्तर प्रदेश (uttar pradesh) पिन-203141
सम्पर्क -सूत्र- 07017350753, Whatsapp- 09410490777 इमेल pritamsingh9410@gmail.com

शिक्षा - मध्यमा (संस्कृत अंक गणित)आर्ष गुरुकुल महाविद्यालय झज्जर जिला -रोहतक -हरियाणा

व्यवसाय -कृषि जोत का छेत्रफल -तीन एकड (निजी) तीन एकड (पट्टे पर) सम्पूर्ण सिचिंत दोमट

कृषि - संसाधन - (1) बैल से खेती (2) चारा मशीन (3) बुग्गी (4) 5 H.P टयुवैल (6) बायोगैस प्लांट

फसलें - (1) गेहूं (2) जों (3) सरसों (4) गन्ना (5) आलू (6) धान (7) मक्का (8) ज्वार अन्य हरा

आमदनी के स्रोत - (1)तीन दुधारू भैंसे (2) सार्वजनिक निर्माण विभाग के रोड कार्य पर सुपरवाइजर

>>>>>>>>>>>>>>>>>> जीवन में बदलाब का मोड़ <<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<

आंल इंडिया रेडिओ के द्वारा प्रसारित कार्यक्रम ग्राम संसार कृषि जगत पर गेहूं ,आलू की पाठशाला

(1) केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान मोदीपुरम मेरठ उत्तर प्रदेश (आलू) 2004/05
(2) भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा नई दिल्ली (गेहूं) 2004/05

1-इन पाठशालाओं में ब्रहस्पतिवार को आलू पर आकाशवाणी में वैज्ञानिकओं द्वारा पहले पाठ पढ़ाया जाता उसी पाठ से प्रश्न पूछा जाता उसका जवाव आलू अनुसंधान संस्थान मोदीपुरम मेरठ पर भेजा जाता था

इसमे पांच राज्यों से पांच हजार किसानों ने भाग लिया निदेशक जी द्वारा किसानों को प्रोत्साहित करने हेतु इनामी घोषणा भी की गई 10 जनवरी 2005 में आलू अनुसंधान संस्थान परिसर एक मेले का आयोजन किया गया उस आयोजन के मंच पर आकाशवाणी के निदेशक श्री -श्रीवर्धन---कपिल-जी एवं--श्री वीरपाल सिंह जी निदेशक आलू अनुसंधान संस्थान ने किसानों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया

इस आलू पाठशाला में चौदहवां पुरस्कार देकर सम्मानित किया

2- गेहूं पाठशाला में भी आठ राज्यों से छ; हजार पांच सौ ने भाग लिया भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा ने सभी किसानों को अपने कृषि विज्ञानं मेले के आयोजन में 14 से 16 फरवरी 2005 तक आमंत्रित किया माननीय कृषि मंत्री श्री शरद पंवार जी मुख्य अतिथि रूप में पधारे और दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीछित जी साथ में निदेशक श्री नागराजन जी ने मिल कर पुरस्कार देकर किसानों को सम्मानित किया

इस गेहूं पाठशाला में दितीय पुरस्कार (जीरो टिलेज मशीन) देकर सम्मानित किया

माननीय राष्ट्रपति श्री अब्दुल कलाम जी के आदेशनुसार राष्ट्रपति भवन के मुग़ल गार्डन एंव हर्वल गार्डन को 16 मार्च 2005 को सिर्फ किसानों के-लिये खोला गया उस समय कलाम जी मुलाकात मौका मिला

आगे के क्रम में दो पाठशालाये 2005/06 आकाशवाणी और पूसा द्वारा चलाई गई उन में भी भाग लेकर पुरस्कार की भागीदारी को आगे बढ़ाते हुये नई कृषि को अपनाने का दृढ़ निश्चय किया

इस को आगे बढ़ाने के लिए 07.01.2006 को ग्राम नेकपुर जिला बुलंद शहर यू पी में एक बैठक का आयोजन किया इस में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा से प्रसार संम्भाग की टीम को आमंत्रित किया इस टीम में डाक्टर श्री राम वहल जी ,श्री जय प्रकाश डबास जी ,श्री राव जी ,श्री जसवीर सिंह जी ने भाग लिया कृषि संबंधित बीमारी एंव नई तकनीकी से अवगत कराया किसानों अपनी मुख्य समस्या को बाजार मूल्य को बार बार बताया इस मुद्दे पर डाक्टर राम वहल जी ने किसानों को समझाते हुए कहा किसानों का संगठन बनाओ उसको पंजीकरण करके अपना मार्का तैयार करो इस में हम आपकी मदद करेगें उसी वक्त सर्व सहमति प्रस्ताव पास किया गया और संगठन का नाम करण किया गया नेकपुर समग्र कृषि विकाश सहकारी समिति आगे चल कर कृषि विज्ञानं मेले पूसा में श्री एस .ए .पाटिल जी निदेशक भा .कृषि .अनु .सं पूसा के द्वारा किसानों को फ्री स्टाल दिये गये हमारे संगठन को भी

स्टाल लगाने का अवसर मिला खाने के सामान में चावल ,गुड़ .शक्कर दालें को खूब सराहा गया और दिल्ली वालों के द्वारा ख़रीदा गया इससे सगंठन का मनोबल बढ़ा

उत्तर प्रदेश सरकार की योजना में किसान मित्र चुना इसी योजना के तहत दालों की तीन दिवसीय ट्रेनिग के लिये दाल अनुसंधान संस्थान कानपुर उत्तर प्रदेश भेजा जिला स्तर पर वर्मी कम्पोस्ट ,नाडेप विधि ,मुर्गी पालन ,की समय समय ट्रेनिग लेकर अपने गांव और आस पास के गांव जा जाकर किसानों को इन सब जानकारी किसानों तक पहुचाई और नए बीज खाद की मिनी किट ब्लाक से दिलवाने मदद की मिट्टी के नमुने जिला पर जाँच भी ले जाकर कराई रिपोर्ट के आधर से उर्वरकों का प्रयोग किया हरी खाद का प्रयोग करना सिखाया जिससे किसानों को लाभ मिला

बीज की समस्या को ध्यान में रखते हुये निदेशक महोदय जी ने बीज उत्पादन की शुरुआत के लिये एक

बैठक करके सहभागिता बीज प्रोग्राम चलाने का फैसला लिया गया इसका मौका हमारे सगंठन को मिला 7.10.2006 को श्रीमती मालिविका ददलानी अध्यक्ष बीज विज्ञानं संभाग पूसा ने ग्राम नेकपुर में किसानों से चर्चा करके बीज उत्पादन के बारे जानकारी दी और गेहूं की पांच प्रजातियों के लिये प्रोग्राम दिया गया

इस प्रोग्राम के अंतर्गत चार ग्राम को चिन्हित किया-(1) नेकपुर (2) जवा (3) सिरियाल (4) नार मोहम्दपुर सभी ग्रामों को दस दस एकड को प्रोग्राम दिया गया 16 कुंटल बीज सर 525 कुंटल तैयार हुआ इसका बाजार भाब 715/- प्रति कुंटल था =3,75,375=00 बना पूसा ने इसको साफ करने के बाद 450 कुंटल का रेट 25प्रतिशत अधिक दिया रेट 894/- प्रति कु० = 4,02.300=00 कटा छोटा गेहूं 70 कु

रेट 500/-प्रति कु० =35,000=00 टोटल लाभ =37,000+35000= 72,000=00 का लाभ हुआ

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा ने संकर धान उत्पादन के लिये 2 एकड़ का प्रोग्राम दिया इससे 10 कुंटल का उत्पादन मिला उसके रेट 14०००/- प्रति कुंटल मिला इस प्रकार बीज प्रोग्राम करते हुये आगे आमदनी का रास्ता मिला साथ में लोकी भिन्डी करेला सीताफल का भी बीज उत्पादन किया इससे भी अधिक मुनाफा मिला

डाक्टर श्री राजेन्द्र सिंह छिल्लर जी भा० कृषि० अनु० संस्थान पूसा के द्वारा चलायें गये प्रोग्राम के अंतर्गत पांच नई तकनीक

(1) एस. आर. आई. (2) बैड प्लान्टर (3) लेजर लेवलर (4) जीरो टिलेज बुबाई (5) बायोगैस

(1)- एस आर आई पद्धति धान की फसल में बहुत लाभकारी सिद्ध हुई बीज 50% (प्रतिशत) कम लगता हें और पानी की 30% (प्रतिशत) की बचत होती और बीमारी करीब 15% (प्रतिशत) कम और पैदावार 20 प्रतिशत अधिक मिलती है

(1) एस. आर. आई. विधि

(2)-बैड प्लान्टर इससे-पानी, समय, लागत, की बचत करते हे

(2)-बैड प्लान्टर इससे-पानी, समय, लागत, की बचत करते हे

(3)- **लेजर लेवलर** -जमीन को लेवल करके टंच विधि अपनाकर पानी की खपत और समय एंव उर्वरक बचाकर पैदावार को 25प्रतिशत अधिक ले सकते है   डा H. S गुप्ता निदेसक भा.कृषि.अनु.संसथान पूसा निरीक्षण करते हुये

(4)-जीरो टिलेज मशीन -जल भराव एरिया के लिये बहुत कामयाब तकनीक है इस तकनीकी से 25 दिन का समय के साथ 3000/- प्रति एकड लागत को भी कम कर सकते खरपतवार का भी 50 प्रतिशत जमाव कम होता है

5)-बायोगैस की स्लेरी से जैविक खेती करने में कारगर विधि हें और घरेलु उर्जा की बचत करके साफ धुआ रहित ईधन से खर्चा कम होता है फोटो में बाई गैस प्लांट

भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान के निदेशक डा श्री A.K SINGH एवम डा आर . एस छिलर अवम

प्रधान वैज्ञानिक गण प्लांट का निरीक्षण करते हुए

बायो गैस द्वारा तयार की गई रौशनी का का निरीक्षण करते हुए तथा बायो गैस चुलेह का निरीक्षण

बायो गैस स्लरी के उपयोग से तैयार की गई गेंह की फसल एच डी 2894

बीज उत्पादन इकाई के अध्यक्ष श्रीमती डा ददलानी जी के साथ सयुक्त निदेसक प्रशार डा बलदेव सिंह जी किसानों के साथ ग्राम नेकपुर में सहभागिगता का सुभारम्भ करते हुये ओ वैज्ञानिक गण

उत्पादन से बाजारीकरण की और कदम से बीज इंडिया प्रोडूसर कम्पनी का आगाज हुआ

निदेशक श्री हरी शंकर गुप्त जी एंव् सयुक्त निदेशक श्रीमती मालिविका ददलानी के अथक प्रयासों से इस कम्पनी का निर्माण-07.10.2011 हुआ कम्पनी का आफिस जेड टी एम एंड बी पी डी यूनिट पूसा और बिक्री केंद पुराना थाना बिल्डिंग पूसा 22.02.2014 को उद्घाटन निदेशक महोदय जी के करकमलों से हुआ आज आठ राज्यों में इसका बीज उत्पादन एवं बिक्री का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है इससे सीधा सीधा लाभ किसानों को मिल रहा हैं

श्री एस ए पाटिल जी के आशीर्बाद से इन्डियन सोसाइटी एग्रीबिजिनेस प्रोफेशनल प्रवेश राजस्थान के तीन जिले में छ; कृषि ग्राम स्रोत केंद बीज उत्पादन का प्रभारी नियुक्त साथ अन्य प्रदेशों में ट्रेनर का कार्य दिया तथा फोटो में अदरक का बीज उत्पादन की ट्रेनिंग देते हुये

बरसाती तालाब बना कर बूंद बूंद सिचाई पधति से पपीता की खेती का निरीक्षण करते हुये i.c.a.r के महानिदेशक भारत सरकार डा श्री अय्यपन जी

इंडियन सोसाइटी ऑफ़ ऍग्री बिज़नस राजस्थान बीज उत्पादन इकाई का उद्घाटन करते हुये मुख्य अतिथि श्री इमाद मोरक्को डा S . A पाटिल जी चेयरमैन तथा श्री S सूर्यवंशी जी C .E .O साथ में

श्री प्रीतम सिंह को कोर्डिनेटर नियुक्त करते हुये

ड्रिप से केला एवं अरहर के खेत का निरीक्षण करते हुये डा श्री अय्यपन जी ओ डा S. A

पाटिल जी

महानिदेसक जी i.c.a.r डा. अय्यपन जी का किसानो की और से उनका आभार प्रकट हुये प्रीतम सिंह